पाठ 1. नव वर्ष

मौखिक कार्य

(क) 1. कवि नए वर्ष के आने की बात कर रहे हैं।
2. कवि महाक्रांति की ज्वालाओं के गान सुनना चाहते हैं।
3. सदा से कृषकों की दीन-हीन दशा रही है।
4. कवि के अनुसार श्रमिकों को नए संगठनों की ज़रूरत है।

लिखित कार्य

(ख) 1. इस कविता के माध्यम से कवि ने दीन-दुखियों, कृषक, मज़दूरों तथा भारतवर्ष के लिए सुख-शांति की बात की है।
2. कवि ने पूरे विश्व में क्रांति की बात इसलिए की ताकि पूरे विश्व में सकारात्मक परिवर्तन हों तथा सबके जीवन में सुख-शांति आए।
3. इस पंक्ति के माध्यम से कवि यह संदेश देना चाहते हैं कि जो लोग थक-हारकर निराश होकर बैठ गए हैं वो मुर्दे के समान हैं उनमें भी आशा-इच्छा के संचार रूपी नए प्राण आ जाएँ।
4. कवि नव क्रांति-महाक्रांति की बात कर रहे हैं, जिससे सबमें आशा और इच्छा उत्पन्न हो तथा जिससे संसार में सबका भला हो। कोई भी दुखी और दरिद्र न रहे।
5. इसे बच्चे स्वयं करें। ('परिचय' से सहायता लें)

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क) 5. (ख)

(घ) कवि पूरे संसार के लिए महाक्रांति की ज्वालाओं के गान को नव वर्ष में आमंत्रित कर रहे हैं। ताकि पूरे विश्व में सकारात्मक परिवर्तन हो सकें। वे भारत के लिए नई प्रेरणा और उत्थान की अपेक्षा कर रहे हैं। वे निराशाओं से घिरे मृत समान व्यक्तियों के लिए भी जीवनदायी नई आशाओं-इच्छाओं की माँग कर रहे हैं और यह सब लेकर आने वाले नए वर्ष के सुनहरे प्रातः का स्वागत कर रहे हैं।

(ङ) 1. संज्ञा 2. विकारी शब्द 3. क्रिया 4. संज्ञा

(च) 1. दुनिया, जगत 2. कनक, सोना 3. काया, तन 4. किसान, अन्नदाता

(छ) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।
- वर्तमान समस्याओं पर विचार करें।
- उनके कारणों पर विचार करें।
- संभावित समाधानों पर विचार करें।
- अपना योगदान सुनिश्चित करें।

पाठ 2. काकी

मौखिक कार्य

(क) 1. शामू के पिता का नाम बिसेसर था।
2. शामू ने देखा कि उसकी काकी ज़मीन पर सो रही है। उसपर कपड़ा ढका हुआ है। घर के सब लोग उसे घेरे हैं और बुरी तरह रो रहे हैं।
3. दासी का नाम सुखिया था।
4. भोला सुखिया दासी का लड़का था।
5. शामू ने पैसे अपने पिता बिसेसर के कोट की जेब से चुराए थे।
6. शामू ने रस्सी के लिए एक रुपया चुराया था।
7. पतंग पर 'काकी' लिखा देखकर बिसेसर हैरान हो गए।

लिखित कार्य

(ख) 1. काकी को ले जाते समय शामू ने बड़ा ऊधम मचाया। वह काकी के ऊपर जा गिरा।
2. पड़ोस के बालकों से उसे पता चला कि काकी ऊपर राम के यहाँ गई है। यह सुनकर वह बहुत दिनों तक रोता रहा।
3. शामू पतंग मँगाकर उसे ऊपर राम के यहाँ भेजना चाहता था, ताकि काकी उसे पकड़कर फिर से ज़मीन पर उतर आए।
4. भोला ने शामू से कहा कि पतंग ऊपर भेजने में एक कठिनाई है। इसे पकड़कर काकी उतर नहीं सकती। डोर कमज़ोर है, टूट जाएगी।
5. भोला की बात सुनकर शामू ने निश्चय किया कि वह डोर की जगह मोटी रस्सी पतंग से बाँध देगा, ताकि काकी आराम से उतरकर आ सके।
6. भोला के मुखबिर बनने पर पता चल गया कि शामू ने रस्सी और पतंग मँगवाने के लिए पैसे चुराए थे।
7. बिसेसर ने शामू को दो तमाचे लगाए और उससे कहा कि चोरी करके जेल जाएगा क्या। बिसेसर उसके साथ बड़ी सख्ती से पेश आए।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (ख)

(घ) 1. काकी के मरने के सच का जब शामू को पता चला तो वह बहुत रोया। बाद में उसका रोना तो रुक गया, लेकिन उसका मन काकी की दूरी का दुख नहीं भुला पाया। जिस प्रकार वर्षा के बाद ज़मीन का पानी ऊपर से तो सूख जाता है, लेकिन ज़मीन के नीचे पहुँचा पानी कई दिनों तक ज़मीन को नम बनाए रखता है।
2. शामू मन ही मन सभी को कोस रहा था, क्योंकि वे सभी उसकी काकी को जला आए थे। अब वह अपनी काकी को फिर नीचे बुलाना चाह रहा था, लेकिन पतंग और डोर मँगाने के लिए उसके पास पैसे न थे। वह मानसिक रूप से बहुत परेशान था। मन ही मन वह रो रहा था। अपनी काकी से मिलने के लिए उसका दिल मचल रहा था।

(ङ) 1. मामी 2. बालिका 3. दास 4. पुस्तिका

5. काकी 6. पति 7. औरत 8. रस्सा

(च) 1. जातिवाचक 2. जातिवाचक 3. भाववाचक
4. व्यक्तिवाचक 5. जातिवाचक 6. व्यक्तिवाचक

(छ) 1. कर्म कारक 2. कर्ता कारक 3. कर्म कारक
4. कर्म कारक 5. कर्म कारक

रचनात्मक कार्य

(ज) 1. बच्चे अपने मनोभावों को अभिव्यक्त करें।
- अध्यापक/अध्यापिका भी अपने विचार बच्चों को बता सकते हैं।
- बच्चे शामू के चरित्र के बारे में अपने विचार स्पष्ट करें।

2. इसे बच्चे स्वयं करें।

पाठ 3. शुचिता और सादगी

मौखिक कार्य

(क) 1. शुचिता का अर्थ है पवित्रता।

2. सबको एक समान समझना, जीवों पर दया करना, दुखियों की सहायता करना, भूखों को भोजन देना, अपने कर्तव्यों का पालन करना, रोगियों की सेवा करना, किसी को नुकसान न पहुँचाना आदि बातें मन की पवित्रता के लिए आवश्यक हैं।
3. अब्राहम लिंकन की महानता उनके सादे लिबास के अंदर से झलकती थी।
4. चंपारण में किसान-सत्याग्रह चल रहा था। इसी कारण गांधी जी रेलगाड़ी के साधारण दर्ज़े के डिब्बे में बैठकर चंपारण जा रहे थे।
5. महान पुरुष अपने चरित्र और अपने विचारों की ओर ध्यान देते हैं।

लिखित कार्य

(ख) 1. शरीर के अंगों की सफ़ाई, घर व घर के आसपास की सफ़ाई, कपड़ों की सफ़ाई, भोजन-पानी की सफ़ाई आदि बातें शरीर के बाहर की पवित्रता में सम्मिलित हैं।

2. मन की पवित्रता तीन प्रकार से प्राप्त की जा सकती है – अच्छी पुस्तकें पढ़कर, अच्छे लोगों की संगति करके और प्रार्थना करके।
3. परिवार की सामूहिक प्रार्थना का बड़ा महत्व होता है। इससे परिवार के सदस्यों का मन तो पवित्र होता ही है, परिवार में सुख और शांति की भी वृद्धि होती है।
4. अच्छे विचार मन के अंदर पनप रहे बुरे विचारों की गंदगी को उसी प्रकार नष्ट कर देते हैं, जिस प्रकार कपड़े धोने वाला साबुन कपड़े की मैल को काटकर बहा देता है।
5. जब सैनिक को पता चला कि उसे जगाने वाले राष्ट्रपति लिंकन थे तो वह घबरा गया। उसने सोचा कि अब तो नौकरी गई। उसने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर क्षमा-याचना की।
6. महात्मा गांधी का उदाहरण देकर लेखक समझाना चाहते हैं कि महान पुरुष इसी प्रकार सादगी से रहते हैं। वे अपने कपड़ों की ओर ध्यान नहीं देते। वे ध्यान देते हैं अपने चरित्र की ओर, अपने विचारों की ओर। भले ही उनके कपड़ों पर धब्बे पड़े हों, भले ही उनके कपड़े फटे-पुराने हों पर वे अपने चरित्र और अपने विचारों पर धब्बे नहीं पड़ने देते।
7. लेखक के अनुसार कपड़ों की सादगी, खाने-पीने की सादगी, विचारों की सादगी, रहन-सहन की सादगी, व्यवहार की सादगी, इन सभी को साथ लेकर जीना ही सच्ची मानवता है।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (क) 5. (क)

(घ) 1. सत्संग का अर्थ अच्छी संगति से है।

- अच्छे लोगों की संगति से अच्छे विचार व अच्छी भावना का जन्म होता है।
- अच्छे विचार हमारे मन को ऊँचा उठाते हैं।

- हमें बुरे रास्तों से दूर करते हैं।
- हमें पवित्रता की ओर बढ़ाते हैं।

2. शरीर की सादगी मनुष्य को ऊपर उठाती है।
   - उसके भीतर उज्ज्वल चरित्र और विवेक को जन्म देती है।
   - महानता और ठाट-बाट में उलझकर व्यक्ति अहंकारी हो जाता है।
   - सादगी मनुष्य को ऊपर उठाकर अच्छे चरित्र और अच्छे विचारों की ओर अग्रसर करती है।

(ङ) 1. व् + य् + अ + व् + अ + ह् + आ + र् + अ
2. म् + उ + ग् + ध् + अ
3. र् + आ + ष् + ट् + र् + अ + प् + अ + त् + इ
4. प् + अ + व् + इ + त् + र् + अ + त् + आ
5. स् + व् + अ + च् + छ् + अ + त् + आ
6. स् + अ + त् + य् + आ + ग् + र् + अ + ह् + अ

(च) 1. कराना, करवाना 2. पहुँचाना, पहुँचवाना 3. कहलाना, कहलवाना
4. दिखाना, दिखवाना 5. सुलाना, सुलवाना

(छ) 1. अपादान कारक 2. करण कारक 3. करण कारक
4. अपादान कारक 5. करण कारक

रचनात्मक कार्य

(ज) 1. बच्चे दी गई घटना में स्वयं को रखकर सोचें।
   - बच्चों के विचार से उनके मनोभाव का पता चलेगा।
   - वे किस प्रकार के अधिकारी बन सकते हैं, उनके विचारों से जाना जा सकेगा।
   - उनके विचारों को सुलझाकर उन्हें दूसरे विचारों से भी प्रभावित किया जा सकता है।

2. बच्चे अपनी कल्पना से इसका उत्तर दें।
   - गांधी जी के व्यक्तित्व का प्रभाव प्रदर्शित करें।
   - यात्री बनकर अपने मनोभावों को स्पष्ट करें।

पाठ 4. परिश्रम

मौखिक कार्य

(क) 1. लेखक ने परिश्रम को सफलता की कुंजी माना है।
2. सोमनाथ निर्धन होते हुए भी विद्या प्राप्ति का इच्छुक था।
3. सोमनाथ पर चोरी का आरोप लगाया गया था।
4. प्रधानाचार्य ने उसे झाड़ने-बुहारने और घंटा बजाने का काम सौंपा।
5. गारफ़ील्ड संयुक्त राज्य अमरीका का राष्ट्रपति बना।
6. भाग्य का निर्माण परिश्रम पर आश्रित है।

लिखित कार्य

(ख) 1. जीवन में सफलता परिश्रम के माध्यम से ही मिलती है।
2. सोमनाथ विद्या प्राप्ति के लिए मथुरा में मनीषी नाम के एक विद्वान के पास गया।
3. सोमनाथ अपना पाठ सबसे पहले सुना देता और अपना शुल्क भी सबसे पहले गुरु जी को देता था। अत: सभी विद्यार्थी उससे ईर्ष्या करने लगे।
4. स्वयं को निर्दोष साबित करने के लिए सोमनाथ ने दो गवाहों को बुलाया जिनमें से एक माली था। माली के वहाँ वह प्रतिदिन कुएँ से पानी खींचता था और मेहनताना पाता था। दूसरी गवाह एक वृद्धा थी। सोमनाथ वृद्धा के घर जाकर प्रतिदिन चक्की चलाता था तथा बदले में वृद्धा उसे कुछ मज़दूरी देती थी।
5. सोमनाथ के निर्दोष साबित होने पर पंचों ने उसे छोड़ दिया तथा शिक्षा का सारा खर्च देना स्वीकार कर लिया।
6. निर्धन बालक सोमनाथ ने प्रधानाचार्य से कहा कि महोदय, मेरी इच्छा आपके विद्यालय में रहकर शिक्षा प्राप्त करने की है। मैं बहुत गरीब हूँ और किसी प्रकार की सहायता के बिना पढ़ नहीं सकता। जो काम आप मुझे सौंपेंगे, अपनी शक्ति के अनुसार मैं उसे पूरा करने का प्रयत्न करूँगा।
7. सफलता प्राप्त करने के लिए हमें परिश्रम पर निर्भर रहना चाहिए, क्योंकि परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। बिना परिश्रम हमें कोई फल प्राप्त नहीं हो सकता।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (क) 5. (ख)

(घ) 1. पंचों ने सोमनाथ से कहा – क्योंकि सोमनाथ निर्धन होने पर भी सबसे पहले अपना शुल्क गुरु जी को दे देता था।
2. सोमनाथ ने पंचों से कहा – क्योंकि वह स्वाभिमानी लड़का था और अपने बलबूते पर ही विद्या प्राप्त करना चाहता था।
3. बालक ने प्रधानाचार्य से कहा – क्योंकि वह पढ़ना चाहता था।

(ङ) 1. परिश्रम को सफलता की कुंजी कहा गया है। उद्यम करने वाले ही सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ते हैं। परिश्रम के सहारे ही विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। विद्यार्थी के लिए आवश्यक है कि वह परिश्रम रूपी लाठी का सहारा लेकर उन्नति के पथ पर आगे बढ़ता चला जाए। कठिन परिश्रम से ही विद्यार्थी को

आत्मविश्वास प्राप्त होता है और इसी आत्मविश्वास के बल पर वह उन्नति की सीढ़ियाँ चढ़ता चला जाता है।

2. भाग्य पर भरोसा रखने वाले लोग कभी उन्नति की राह पर आगे नहीं बढ़ सकते। भाग्य भी उसी व्यक्ति का साथ देता है, जो परिश्रम के साथ अपना जीवन व्यतीत करता है। भाग्य को पुरुषार्थ से अलग करके नहीं देखा जा सकता। भाग्य का निर्माण भी पुरुषार्थ से ही होता है।

(च) 1. परिश्रमी 2. सफल 3. ईर्ष्यालु 4. विश्वसनीय
5. निर्धन 6. दृढ़निश्चयी 7. विदेशी 8. उन्नतिशील

(छ) 1. नि: + दोष 2. नि: + धन 3. स्व + अवलंबी 4. विद्या + अर्थी
5. महा + उदय 6. इच्छा + अनुसार

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

(झ) 1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग 3. पुल्लिंग 4. स्त्रीलिंग
5. स्त्रीलिंग 6. पुल्लिंग

रचनात्मक कार्य

(ञ) 1. इसे बच्चे स्वयं करें।
- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को प्रेरित करें।
- आवश्यक बिंदु श्यामपट्ट पर लिखें।
- बच्चे इन बिंदुओं से सहायता लें।

2. बच्चों को पुस्तकालय से लेकर महान व्यक्तियों की जीवनियाँ पढ़ने को कहें।

पाठ 5. स्मृतियाँ

रचनात्मक गतिविधि – 1

(क) मौखिक अभिव्यक्ति

1. बच्चे अपने विचार कक्षा में सुनाएँ।
   - नव वर्ष के प्रमुख आयोजनों पर चर्चा करें।
   - अपने संकल्पों पर भी प्रकाश डालें।
2. बच्चे अपनी-अपनी माँ के बारे में कक्षा में बताएँ।
   - माँ का प्रेम सर्वोपरि क्यों, इसपर चर्चा करें।
   - बच्चों को माँ पर कोई कविता रचना करने को भी कहा जा सकता है।
3. बच्चे अपने विचार अभिव्यक्त करें तथा दूसरे विद्यार्थियों के विचारों को जानें।
   - इसे कार्यान्वित करने के लिए बच्चों को दूसरी कक्षाओं में भी भेजा जा सकता है।
4. बच्चे इस विषय पर कक्षा में चर्चा करें।
   - एक-दूसरे के विचारों को जानें।
   - अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को परिश्रमी बनने की सीख दें।

(ख) लिखित अभिव्यक्ति

1. इसे बच्चे स्वयं करें।
2. इसे बच्चे स्वयं करें।
3. इसे बच्चे स्वयं करें।
4. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए चर्चा करें।
   - अशिक्षा के परिणाम स्पष्ट करें।
   - भारत के गाँवों की दशा पर विचार करें।
   - वहाँ के लोगों के जीवन-स्तर पर प्रकाश डालें।
   - बच्चों को प्रौढ़ शिक्षा के बारे में जानकारी दें।
   - बच्चों को इसमें अपना योगदान देने के लिए प्रेरित करें।

(ग) क्रियाकलाप

1. इसे बच्चे स्वयं करें।
2. इसे बच्चे स्वयं करें।
3. इसे बच्चे अपने-आप करें।
   - चार्ट पेपर पर चित्र भी चिपकाए जा सकते हैं।
   - जो चार्ट अच्छे बने हों उन्हें कक्षा में लगवाएँ।
   - सभी को इन चार्टों से प्रेरणा लेने को कहें।
4. मेहनती, ईमानदारी, मृदुभाषी, हँसमुख, सत्यवादी, दयालु
5. इसे छात्र क्रियाकलाप के रूप में करें।
   - इसपर आधारित परियोजना भी तैयार की जा सकती है।

पाठ 6. मुसकराकर चल मुसाफ़िर

मौखिक कार्य

(क) 1. कवि मुसाफ़िर से मुसकराकर चलने का आग्रह कर रहे हैं।
2. जो राही आँधियों और बिजलियों में अविचल आगे बढ़ता रहता है, कवि के अनुसार वही राही सफल है।
3. जो लोग आँधियों के सामने भी मुसकराते हैं, वे समय के पथ पर अपने पद-चिह्न छोड़ जाते हैं।
4. जो लोग थोड़ी-सी मुश्किलों को देखकर ही पीछे लौट जाते हैं, उन्हें यह ज़िंदगी भार स्वरूप लगने लगती है।

लिखित कार्य

(ख) 1. पथ पर मुसकराकर चलने से ज़िंदगी आसान हो जाती है। अतः कवि मुसाफ़िर को मुसकराकर चलने को कह रहे हैं।
2. मुसाफ़िर की विशिष्टता यह होनी चाहिए कि वह आँधियों और बिजलियों में अविचल रहे। हौसला ऐसा होना चाहिए, जिसे मुश्किलें तोड़ न सकें तथा प्रगति इस रूप में आगे बढ़नी चाहिए कि किसी भी तरह का आकर्षण उसे अपने ध्येय पथ से विचलित न कर सके।
3. कवि रास्ते में आने वाली आँधियों व बिजलियों से सावधान रहने की बात कर रहे हैं। अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ते हुए यदि सामने मौत भी आए तो उससे भी भिड़ने की बात कवि कह रहे हैं।
4. जो लोग आँधियों के सामने भी मुसकराते हैं, ऐसे ही लोगों के पद-चिह्न भूले हुए लोगों को राह दिखाते हैं। जो मूक रहकर भूले लोगों को राह दिखाते हैं ऐसे लोग दूसरों के लिए एक आदर्श बन जाते हैं।
5. कवि फूल के उदाहरण से जीवन में संघर्ष के महत्व को उजागर कर रहे हैं। वे कहते हैं कि जिस प्रकार फूल आँधी, तूफ़ान व अपने आसपास के काँटों का प्रकोप सहकर भी मुसकराता है और अपनी खुशबू से सभी को प्रसन्न करता है उसी प्रकार हमें भी विकट परिस्थितियों का सामना करते हुए मुसकराते हुए, आगे बढ़ते चले जाना चाहिए।
6. 'कविता का परिचय' के अंतर्गत देखें।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (क) 5. (क)

(घ) कवि उन डरपोक लोगों की ओर संकेत कर रहे हैं जो जीवन में थोड़ी-सी परेशानी देखकर ही अपना सारा धैर्य, साहस व आत्मबल खो देते हैं और निराशा में डूबकर बीच राह में ही बैठ जाते हैं। ऐसे लोग कभी प्रगति की राह पर आगे नहीं बढ़ पाते।

(ङ) 1. मुश्किलें 2. कलियाँ 3. तितलियाँ
4. आँधियाँ 5. बिजलियाँ 6. कंटकों

(च) 1. शर्त, गर्त, व्यवसाय, व्यय 2. प्रकार, प्रवेश 3. स्वच्छ, इच्छा
4. चिह्नित, चिह्नकारी 5. व्याकरण, व्यवहार 6. स्पष्ट, कष्ट

(छ) 1. धैर्यवान 2. सफलता 3. पथिक 4. धनी

(ज) 1. अविचल 2. अधर्म 3. अन्याय 4. असफल 5. अविराम 6. अचल

रचनात्मक कार्य

(झ) बच्चों से इस विषय पर चर्चा करें।

- जीवन में आगे बढ़ने के लिए संघर्ष के अलावा और क्या-क्या आवश्यक है?
- दृढ़-निश्चय, कर्मठता, आत्मविश्वास, लगन।
- इन बिंदुओं के आधार पर बच्चों को अपना उत्तर लिखने के लिए प्रोत्साहित करें।
- उत्तर लिखने के बाद बच्चों को उसे कक्षा में सुनाने को कहें।

पाठ 7. अमर मृत्यु

मौखिक कार्य

(क) 1. दादा जी ने शैली और मधु को मेरी क्यूरी की कहानी सुनाई।
2. मेरी के पिता स्कूल में भौतिक विज्ञान तथा गणित पढ़ाते थे।
3. पियरे क्यूरी एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक तथा मेरी के पति थे।
4. सारबोर्न विश्वविद्यालय में।
5. आयरिन को 1935 में नोबेल पुरस्कार मिला।

लिखित कार्य

(ख) 1. मेरी का जन्म 7 नवंबर 1867 को पोलैंड के वारसा नामक स्थान पर हुआ। वे बचपन से ही प्रखर बुद्धि की थी।
अपनी बहन ब्रोन्या से आर्थिक सहायता लेकर मेरी ने पेरिस के सारबोर्न विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की। यहाँ से उन्होंने 1893 में भौतिक तथा उसके बाद गणित में परास्नातक की उपाधि प्राप्त की।
2. मेरी और उनके पति ने चार वर्ष तक लगातार अनुसंधान के बाद 1902 में कई टन वज़न की चट्टान से रत्तीभर रेडियम प्राप्त किया।
3. 1906 में मेरी के पति पियरे क्यूरी की पेरिस में एक कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई। यह घटना उनके जीवन में एक दुखद तूफ़ान की तरह थी।
4. मेरी को 1903 में रेडियम की खोज के लिए नोबेल पुरस्कार मिला। 1911 में उन्हें एक बार फिर नोबेल से सम्मानित किया गया। इस बार यह पुरस्कार उन्हें रसायन के क्षेत्र में मिला था।
5. मेरी के पति की मृत्यु एक कार-दुर्घटना में हुई तथा मेरी की मृत्यु कैंसर से हुई।
6. मेरी का परिवार संसार का अनोखा परिवार इसलिए है क्योंकि इस परिवार के चार सदस्यों (मेरी, पियरे, आयरिन, फ्रेड्रिक) को तीन बार (1903, 1911, 1935) संसार के सबसे बड़े पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
7. इसे बच्चे स्वयं करें।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क) 5. (ख)

(घ) 1. शैली और मधु को सुनाते-सुनाते दादा जी की सब कहानियाँ खत्म हो गईं।
2. मेरी अपनी बहन के साथ खूब खेलती थी।
3. इसी दौरान मेरी की भेंट पियरे नामक व्यक्ति से हुई।
4. मेरी की खोजों ने उनकी मृत्यु को भी अमर बना दिया।
5. दादा जी दोनों को आशीष देने लगे।

(ङ) 1. मिश्र वाक्य 2. सरल वाक्य 3. संयुक्त वाक्य 4. मिश्र वाक्य
5. मिश्र वाक्य 6. सरल वाक्य

(च) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(छ) 1. बच्चे इंटरनेट एवं पुस्तकालय से जानकारी प्राप्त करें।
2. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 8. विक्रमादित्य की उपाधि

मौखिक कार्य

(क) 1. नर्मदा नदी के तट पर, रण के मैदान में चारों ओर हताहतों का अंबार लगा था। जो लोग मर गए थे, वे तो मर ही गए थे, पर जो आहत होकर गिर पड़े थे, उनकी चीख-पुकार से सारा वातावरण भयावह हो गया था।
2. सुंदरलाल मगध की सेना का एक सैनिक था।
3. पुष्पमित्र के साथ युद्ध करते हुए कुमार स्कंदगुप्त घायल हो गए थे।
4. मगध के सिंहासन पर बैठने के बाद कुमार स्कंदगुप्त ने सुंदरलाल को सेनापति के पद पर नियुक्त किया, क्योंकि वे उसका उपकार भूले नहीं थे।
5. सुंदरलाल के विरुद्ध तोरामन ने षड़यंत्र रचा था।

लिखित कार्य

(ख) 1. रण के मैदान में चारों ओर लाशें-ही-लाशें पड़ी थीं। जो लोग मर गए थे, वे तो मर ही गए थे, पर जो आहत होकर गिर पड़े थे, वे अपनी आह-कराह से उस सूने वातावरण में वेदना का प्रसार कर रहे थे। आहतों की चीख-पुकार से सारा वातावरण कराहों से भर गया था।
2. सुंदरलाल घूम-घूमकर अपने प्रिय कुमार स्कंदगुप्त को ढूँढ़ रहा था। स्कंदगुप्त, जो मगध की सेना के प्राण थे, देश के गौरव तिलक थे युद्ध में आहत हो गए थे, सुंदरलाल उन्हीं की खोज में व्यस्त था। किसी पुरस्कार के लोभ से नहीं, किसी पद की आकांक्षा से नहीं केवल अपने कर्तव्य की प्रेरणा से, अपने देश के गौरव के उद्देश्य से।
3. चंद्रगुप्त विक्रमादित्य की मृत्यु के बाद उज्जैन पर विद्रोहियों का अधिकार स्थापित हो गया था। पुष्पमित्र ने पूरे मालवा को अपने पैरों के नीचे दबाकर चारों ओर विद्रोह की अग्नि जला दी थी।
4. स्कंदगुप्त सुंदरलाल की कृतज्ञता से बँध गए थे, क्योंकि सुंदरलाल के प्रयत्नों से ही उन्हें नया जीवन प्राप्त हुआ था।
5. रामचंद्र की बात सुनकर सम्राट सोचने लगे कि हूणों के दमन के लिए वे किसे भेजें।
6. सम्राट ने गुप्तचर की बात का अविश्वास करते हुए सुंदरलाल के पक्ष में कहा कि यह पत्र बिलकुल जाली है। मैं स्वप्न में भी विश्वास नहीं कर सकता कि सुंदरलाल के मुख से मेरी हत्या या मुझे सिंहासन से उतारने की बात निकले।
7. सम्राट दूसरे ही दिन विशाल सेना लेकर निकल पड़े। उन्होंने हूणों को परास्त करके उन्हें धूलि में तो मिलाया ही, चारों ओर भारत की विजय पताका भी फहराई। उसी विजय के उपलक्ष्य में उन्होंने अश्वमेध यज्ञ किया। अश्वमेध यज्ञ करके उन्होंने विक्रमादित्य की उपाधि धारण की।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (क) 5. (ख)

(घ) 1. सही 2. गलत 3. सही 4. सही 5. सही

(ङ) 1. रात 2. साल (3) नया 4. हाथ 5. आग 6. घर

(च) 1. विद्रोह की अग्नि, तत्पुरुष समास 2. चीख और पुकार, द्वंद्व समास
3. रण का स्थल, तत्पुरुष समास 4. शोक से आकुल, तत्पुरुष समास
5. अच्छा अवसर, अव्ययीभाव समास

(छ) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(ज) बच्चे अपने-आप इस प्रश्न का उत्तर सोचें।
- कक्षा में सभी बच्चे अपने-अपने विचार सुनाएँ।
- बच्चे बताएँ कि धन या शांतिपूर्ण जीवन में से वे किसे चुनेंगे।
- सुंदरलाल के चरित्र पर भी चर्चा की जा सकती है।

पाठ 9. मुक्ति मार्ग

मौखिक कार्य

(क) 1. झींगुर जब अपने ऊख के खेत देखता तो उसपर नशा-सा छा जाता।
2. भेड़ों का झुंड लेकर बुद्धू आ रहा था।
3. बुद्धू ने भेड़ों को वापस इसलिए नहीं लौटाया, क्योंकि घूमकर जाने पर कोस भर का चक्कर पड़ता था।
4. झींगुर के खेतों में बुद्धू ने आग लगाई थी।
5. बुद्धू से बदला लेने के लिए झींगुर ने अपनी एक बछिया उसे चराने के लिए दी और उसी रात हरिहर से मिलकर उसे कुछ खिला दिया, जिससे बछिया मर गई। इस प्रकार उसकी हत्या का दोष बुद्धू पर मढ़ दिया।

लिखित कार्य

(ख) 1. बुद्धू और झींगुर के बीच भेड़ों को लेकर बहस हुई। झींगुर नहीं चाहता था कि बुद्धू अपनी भेड़ें लेकर उसके खेत की मेड़ पर से निकले। उसने बुद्धू को वहाँ जाने से मना किया लेकिन बुद्धू ने नम्र भाव से उसे समझाना चाहा कि यदि वह घूमकर जाएगा तो कोस भर का चक्कर पड़ जाएगा।
2. झींगुर ने लड़के को गोद से उतार दिया और डंडा लेकर भेड़ों को पीटने लगा।
3. गाँववाले झींगुर से कहते कि तुम्हीं ने हमारा सर्वनाश किया। तुम्हीं घमंड के मारे धरती पर पैर न रखते थे। आप के आप गए, अपने साथ सारे गाँव को डुबो दिया। बुद्धू को न छेड़ते तो आज यह दिन क्यों देखना पड़ता।
4. झींगुर से बदला लेने के लिए बुद्धू ने उसके खेतों में आग लगा दी।
5. ब्राह्मण ने बुद्धू को गौ-हत्या के पाप का प्रायश्चित्त करने के लिए तीन मास का भिक्षा-दंड दिया, फिर सात तीर्थस्थानों की यात्रा, उसपर पाँच सौ ब्राह्मणों का भोजन और पाँच गऊओं का दान।
6. दो महीने के बाद जब बुद्धू घर लौटा तो उसके बाल बढ़े हुए थे, दुर्बल इतना मानो साठ वर्ष का बूढ़ा हो गया हो।
7. शहर में बन रही एक विशाल धर्मशाला में मज़दूर के रूप में काम करते हुए झींगुर और बुद्धू अपना जीवनयापन कर रहे थे। संध्या समय झींगुर ने बुद्धू से पूछा कि कुछ बनाओगे। खाने को लेकर दोनों में बातें शुरू हुईं। दोनों ने साथ मिलकर खाना बनाया और जब साथ बैठकर वे खाना खा रहे थे तब दोनों ने एक-दूसरे के सामने अपना-अपना गुनाह स्वीकार किया। जब दोनों अपना गुनाह स्वीकार कर चुके तो दोनों का मन शांत हो गया और दोनों सोने चले गए।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (ख) 5. (क)

(घ) 1. झींगुर ने बुद्धू की भेड़ों को इतनी बेदर्दी से मारा कि वे बुरी तरह घायल हो गईं। किसी की टाँग टूट गई तो किसी की कमर। इतनी निर्दयता से तो कोई धोबी अपने गधे को भी नहीं पीटता होगा।

2. किसान के लिए उसकी फ़सल ही सब कुछ होती है। उसका जीवन उसी पर टिका होता है। जब झींगुर के साथ मनमुटाव के कारण बुद्धू उसके खेत में आग लगाता है तो उसके साथ गाँववालों के खेत भी जल जाते हैं। उन खेतों के साथ उनकी अभिलाषाएँ भस्म हो जाती हैं। उनकी साल भर की कमाई खत्म हो जाती है।

(ङ) 1. जिसके, उसकी 2. ऐसा, जिससे 3. जिस, उसी
4. जिसे 5. जिससे

(च) 1. गम 2. मित्रता 3. न्याय 4. निरादर
5. नीरोगी 6. प्रकाश 7. आबाद 8. सायंकाल

(छ) 1. वर्षा 2. कूटनीति 3. तमाशा 4. प्रमाणहीन
5. सर्वनाश 6. बीजारोपण 7. वनवास 8. खुशामद

रचनात्मक कार्य

(ज) इस विषय पर बच्चों से उनके विचार जानें।
- कहानी का अंत बदलना भी एक कला है।
- इससे बच्चों की कल्पनाशीलता बढ़ेगी।
- उनके लेखन-कौशल का विकास होगा।

पाठ 10. मातृ-मंदिर

रचनात्मक गतिविधि – 2

(क) मौखिक अभिव्यक्ति

1. कक्षा में चर्चा आयोजित करें। बच्चे अपने-अपने विचार अभिव्यक्त करें।
   - सभी बच्चे एक-दूसरे के विचार जानें।
   - अध्यापक/अध्यापिका भी अपने विचार बच्चों के सामने रखें।
2. बच्चे अपने विचार अभिव्यक्त करें।
   - क्या उन्होंने इस प्रकार के किसी बालक को देखा या उसके बारे में पढ़ा है, इसे जानें।
   - कक्षा में चर्चा करें।
3. यह पुस्तकालय से संबंधित गतिविधि है।
   - बच्चों को पुस्तकालय ले जाएँ।
   - उन्हें ऐतिहासिक बलिदान की कहानियाँ उपलब्ध कराएँ।
   - बच्चे इन कहानियों में से अपनी मनपसंद कहानी पढ़कर कक्षा में सुनाएँ।
4. यह पुस्तकालय से संबंधित गतिविधि है।
   - बच्चों को पाठ्यक्रम से अलग पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करें।
   - कक्षा में कहानी सुनाने से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।
   - इस प्रकार बच्चों की शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

(ख) लिखित अभिव्यक्ति

1. अध्यापक/अध्यापिका बच्चों में लेखन कला विकसित करें।
   - विषय से संबंधित कुछ बिंदु श्यामपट्ट पर लिखें।
   - उसी आधार पर बच्चे अपने विचारों को अभिव्यक्त करें।
2. इसे बच्चे स्वयं लिखें।
   - अध्यापक/अध्यापिका उन्हें संकेत बिंदु दें।
   - बच्चे उसी के आधार पर अपने विचारों को आगे बढ़ाएँ।
   - बच्चे अपने स्वतंत्र विचारों को भी लिख सकते हैं।
3. अपनी लिखी हुई कविता को बच्चे पूर्ण हाव-भाव सहित कक्षा में सुनाएँगे। इस प्रकार उनकी शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - इसे बच्चे स्वयं लिखें।
   - अध्यापक/अध्यापिका उन्हें संकेत बिंदु दें।
   - बच्चे उसी के आधार पर अपने विचारों को आगे बढ़ाएँ।
   - बच्चे अपने स्वतंत्र विचारों को भी कविता के रूप में लिख सकते हैं।
4. सुंदरलाल के चरित्र पर कक्षा में चर्चा करें।
   - बच्चे अपने-अपने विचार सुनाएँ।

- अध्यापक/अध्यापिका महत्वपूर्ण बिंदुओं को श्यामपट्ट पर लिखें।
- बच्चे दिए गए बिंदुओं के आधार पर चरित्र-चित्रण करें।

5. संवाद-लेखन भी एक कला है।
   - बच्चों को इसका अभ्यास कराना आवश्यक है।
   - बच्चों को समझाएँ कि संवाद किस रूप में लिखे जाते हैं।
   - संवाद के साथ संकेत भी किस प्रकार लिखे जाते हैं, यह भी बताएँ।
   - इन संवादों को बच्चे अभिनय के माध्यम से कक्षा में प्रस्तुत करें। इस प्रकार उनकी शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

(ग) क्रियाकलाप

1. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - प्रश्नावली बनाने में बच्चों की मदद करें।
   - इस क्रियाकलाप पर आधारित परियोजना भी तैयार की जा सकती है।
   - कक्षा में सभी बच्चे एक-दूसरे के द्वारा बनाई गई परियोजना को पढ़ें व चर्चा करें।
2. बच्चे इंटरनेट से यह जानकारी प्राप्त करें।
   - इससे बच्चे शोधकार्य करना सीखेंगे।
   - वे एक परियोजना के रूप में भी इसे प्रस्तुत कर सकते हैं।
3. यह एक सामाजिक गतिविधि है।
   - इससे बच्चों में आत्मविश्वास आएगा।
   - उनकी वाक्कला का विकास होगा।
4. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - इस क्रियाकलाप से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
5. इसे कक्षा में क्रियाकलाप के रूप में करें।

पाठ 11. उपहार

मौखिक कार्य

(क) 1. शेरोजा के चाचा जी ने उसे उपहार में एक पिंजरा दिया था।
2. शेरोजा की उपस्थिति के कारण वहाँ कोई चिड़िया नहीं आ रही थी।
3. पिंजरे में बुलबुल चिड़िया आकर फँसी थी।
4. शेरोजा ने दो दिनों तक चिड़िया की अच्छी तरह से देखभाल की।
5. सुबह होने पर शेरोजा ने देखा कि चिड़िया की साँसें तेज़-तेज़ चल रही थीं।
6. शेरोजा को आँखें बंद करने पर पिंजरे में कैद फड़फड़ाती और आज़ादी के लिए संघर्ष करती वह नन्ही-सी चिड़िया ही दिखाई देती।

लिखित कार्य

(ख) 1. शेरोजा को अपने जन्मदिन पर ढेर सारे उपहार मिले।
2. शेरोजा को सुंदर-सुंदर चिड़ियों की आवाज़ बहुत पसंद थी। वह उन्हें पिंजरे में कैद करके रखना चाहता था। अत: पिंजरा पाकर वह बहुत प्रसन्न था।
3. चाचा जी द्वारा सुझाए उपायों के अनुसार, उसने घर के आँगन में पिंजरा रखकर उसमें दाने बिखेर दिए और वहीं खड़ा होकर चिड़िया के फँसने का इंतज़ार करने लगा।
4. माँ ने चिड़िया को देख पहचान लिया कि वह बुलबुल है। उन्होंने शेरोजा से कहा कि ज़रा देखने दो इसकी धड़कन सही है या नहीं। फिर उन्होंने उससे चिड़िया को आज़ाद कर देने को कहा।
5. पिंजरे का दरवाज़ा खुला देखकर माँ ने पिंजरे का दरवाज़ा बंद कर देने को कहा।
6. चिड़िया के मरने के बाद शेरोजा का दिल बैठ गया। उसे बहुत बड़ा सदमा लगा। इस कारण वह कई रातों तक सो नहीं पाया।
7. शेरोजा को सबक मिला कि प्रत्येक जीव स्वतंत्रता चाहता है। इसलिए हमें पशु या पक्षियों को कैद नहीं करना चाहिए।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (क) 5. (क)

(घ) 1. शेरोजा ने अपनी माँ से उस समय कहा, जब उसने देखा कि उसके चाचा जी ने उसे सुंदर पिंजरा उपहार में दिया है।
2. माँ ने शेरोजा से उस समय कहा, जब उन्होंने सुंदर-सी बुलबुल को पिंजरे में कैद देखा।
3. माँ ने शेरोजा से उस समय कहा, जब उन्होंने देखा कि वह पिंजरे का दरवाज़ा खुला छोड़कर पानी लाने चला गया है।
4. माँ ने शेरोजा से उस समय कहा, जब उन्होंने देखा कि चिड़िया की साँसें तेज़-तेज़ चल रही हैं और वह अधमरी-सी हो गई है।

(ङ) 1. पकड़ना 2. खूबसूरत 3. बेहतर 4. आज़ादी 5. मूल्यवान 6. सफ़ाई

(च) 1. निश्चयवाचक 2. अनिश्चयवाचक 3. अनिश्चयवाचक
4. प्रश्नवाचक 5. प्रश्नवाचक 6. निश्चयवाचक

(छ)

	विशेषण	विशेष्य
1.	सुंदर	चिड़िया
2.	मीठे	सुर
3.	खूबसूरत	चिड़िया
4.	नन्ही	चिड़िया
5.	गंदा	पिंजरा
6.	अंतिम	साँस

(ज) 1. सुंदरता 2. सफ़ाई 3. भूख 4. आज़ादी 5. खूबसूरती 6. गंदगी

(झ) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(ञ) 1. बच्चे अपनी कल्पना से कहानी को दूसरा रूप दें।
- छोटे-छोटे वाक्यों में कहानी लिखें।
- बच्चों को उत्तर लिखने के बाद अपने विचार सुनाने को कहें।
- अच्छा उत्तर सुनाने पर उनको प्रोत्साहन दें।

2. बच्चे अपने विचार अभिव्यक्त करें।
- बच्चों से जानें कि उन्हें चिड़ियों को कैद करना कैसा लगता है।
- यदि कोई उन्हें कैद में रखे तो उन्हें कैसा महसूस होगा।
- इसी आधार पर बच्चे अपना उत्तर लिखें।

पाठ 12. बकरी दो गाँव खा गई

मौखिक कार्य

(क) 1. आदमी आगरा की सड़कों पर रोता-चिल्लाता घूम रहा था।
2. गन्ने का स्वादिष्ट रस पीकर अकबर खुश हो गए।
3. अकबर को रस बहुत पसंद आया था, इसलिए उन्होंने दोबारा पीने की माँग की।
4. अकबर किसान के भोलेपन पर हँसे, कि उसे लगा कि बकरी दो गाँव खा गई।

लिखित कार्य

(ख) 1. लोग यह सोचकर परेशान थे कि बकरी गाँव कैसे खा सकती है।
2. थकने पर अकबर एक पेड़ की छाया में बैठ गए और किसान से गन्ने का रस पीने के लिए माँगा।
3. गन्नों में अधिक रस निकलने का कारण किसान ने बादशाह की अच्छी नीयत को बताया।
4. बादशाह की नीयत बिगड़ने के कारण दूसरी बार गन्नों से अधिक रस नहीं निकला।
5. मामूली किसान ने बादशाह को यह शिक्षा दी कि जहाँ नीयत अच्छी होती है, वहाँ बचत होती है, भंडार भरा रहता है। लालच और छोटापन आदमी को कभी सुखी नहीं बनाते।
6. बादशाह ने प्रसन्न होकर किसान के खेत का पूरा लगान माफ़ कर दिया और दो गाँव किसान के नाम कर दिए।
7. अकबर बादशाह ने किसान पर हँसते हुए कहा कि इस बार गाँवों को बकरी से बचाए।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (ख) 5. (क)

(घ) इसे बच्चे स्वयं करें।

(ङ) 1. आगरा 2. गन्ने 3. पच्चीस 4. नीयत 5. आसमान

(च) 1. लग + आन 2. अति + अधिक 3. विद्या + आलय
4. प्रति + एक 5. वन + औषध 6. पूर्व + अनुमान

(छ) 1. एक – संख्यावाचक विशेषण 2. थोड़ा – अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण
3. पच्चीस – संख्यावाचक विशेषण 4. इतना – अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण
5. पक्के – गुणवाचक विशेषण

रचनात्मक कार्य

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

पाठ 13. सूरदास के पद

मौखिक कार्य

(क) 1. माता यशोदा को एक गोपी उलाहना दे रही है।
2. श्रीकृष्ण गोरस अर्थात् दूध, दही और मक्खन की चोरी करते हैं।
3. श्रीकृष्ण ग्वालिन से कहते हैं कि यह मेरा घर है। मुझे यहाँ आने में कोई संकोच नहीं।
4. माता यशोदा कन्हैया से कह रही हैं कि तुम घर में रखे सभी व्यंजनों को छोड़कर दूसरों के घर चोरी क्यों करते हो?
5. नंद जी का ब्रज में सभी लोग सम्मान करते हैं। सिकदार से माता यशोदा का यही अर्थ है।

लिखित कार्य

(ख) 1. यशोदा को उलाहना देते हुए ग्वालिन कह रही है – हे यशोदा, तुम्हारा संकोच मैं कब तक करूँ। रोज़ाना दूध और दही की हानि कैसे सही जा सकती है? यदि तुम अपने इस बालक की करतूत आकर देखो तो तुम्हें सब वास्तविकता मालूम हो जाए। यह स्वयं तो दही खाता ही है (अन्य) बालकों को भी खिलाता है (और अंत में) बर्तनों को तोड़कर भाग जाता है।
2. ग्वालिन का उलाहना सुनकर श्रीकृष्ण उसे सफ़ाई देते हैं कि वह तो दही में पड़ी चीटियाँ निकाल रहे थे।
3. (यशोदा को उलाहना देती हुई कोई गोपी कह रही है) हे यशोदा, तुम्हारा संकोच (शील) मैं कब तक करूँ। (भला, बताओ) रोज़ाना दूध और दही की हानि कैसे सही जा सकती है। यदि तुम अपने इस बालक की करतूत आकर देखो तो तुम्हें सब वास्तविकता मालूम हो जाए। यह स्वयं तो दही खाता ही है (अन्य) बालकों को भी खिलाता है (और अंत में) बर्तनों को तोड़कर भाग जाता है। मैंने अपने घर के एक कोने में मक्खन को ढककर (छिपाकर) रखा था, लेकिन तुम्हारे पुत्र ने उसे भी पहचान लिया (खोज लिया)। जब मैंने आने का कारण पूछा तो कृष्ण ने कहा कि गोपी मैं तो अपने घर में आया हूँ, और यहाँ आने में मुझे थोड़ा भी संकोच नहीं हुआ। सूरदास जी कहते हैं कि श्रीकृष्ण ने यह बहाना भी बनाया कि मैं (दही में पड़ी) चीटियों को हाथ से निकाल रहा था।
4. माता यशोदा को श्रीकृष्ण से शिकायत है कि वे घर पर रखे षट्रस व्यंजनों को छोड़कर दूसरों के घरों में चोरी क्यों करते फिरते हैं।
5. माता यशोदा के अनुसार वे अपने नंद बाबा की बदनामी कर रहे हैं, जिनका नाम ब्रज में सभी सम्मान के साथ लेते हैं।
6. इस पंक्ति में माता यशोदा कहती हैं कि मेरे कुल में तू एक सुपुत्र पैदा हुआ है। यह बात वे व्यंग्य स्वरूप ही कहती हैं। अर्थात् तू सुपुत्र नहीं है, ऐसा वे श्रीकृष्ण को समझाना चाहती हैं।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (ख)

(घ) पूत **सपूत** भयौ कुल मेरैं,

अब मैं जानी बात।
सूर स्याम **अब** लौं तुहि बकस्यौ
तेरी जानी घात।।

(ङ) 1. यशोदा 2. लड़के 3. खाया 4. तुम्हारे 5. वही 6. मेरा

(च) 1. पुल्लिंग 2. पुल्लिंग 3. स्त्रीलिंग
4. स्त्रीलिंग 5. पुल्लिंग 6. पुल्लिंग

(छ) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(ज) 1. बच्चे अपने विचारों को अभिव्यक्त करें।
- उन्हें अपनी कल्पना का सहारा लेने दें।
- मनोरंजक व अच्छे प्रसंग को अध्यापक/अध्यापिका कक्षा में पढ़कर सुनाएँ।

2. बच्चों से उनकी पसंद जानें तथा उससे होने वाले लाभ पर भी चर्चा करें।

पाठ 14. शरत् बाबू

मौखिक कार्य

(क) 1. शरत्चंद्र का जन्म सन् 1876 में बंगाल प्रांत के हुगली ज़िले के देवानंदपुर गाँव में हुआ था।

2. शरत्चंद्र का स्वभाव बचपन में शरारती, सीधा और भोला था।

3. बच्चों से शरत्चंद्र ने कहा था कि कल उनकी परीक्षा है, अतः वे आज नहीं पढ़ाएँगे। दूसरे दिन सवेरे बच्चे वहाँ पहुँचे तो उन्हें देखकर वे नाराज़ हो गए, क्योंकि पढ़ते-पढ़ते उन्हें यह भी पता न चला था कि दिन निकल आया है।

4. राजू शरत् बाबू का बहुत अच्छा मित्र था। वह शरत् बाबू के सब भले-बुरे कामों का गुरु था। गाना-बजाना, नाव खेना, मछलियाँ पकड़ना और मुसीबत में हर किसी का साथ देना शरत्चंद्र ने उसी से सीखा था।

5. शरत्चंद्र की कहानी 'बड़ी दीदी' उनके एक मित्र ने उनसे बिना कहे एक पत्र में छपवा दी थी।

6. जीवन के अंतिम पड़ाव में शरत् बाबू जिगर के कैंसर से पीड़ित हो गए। ऑपरेशन किया गया, लेकिन कुछ लाभ नहीं हुआ। उस दिन पूर्णिमा थी, जिस दिन शरत्चंद्र ने जन्म लिया था और उस दिन भी पूर्णिमा ही थी। पूर्णचंद्र के प्रकाश में वे आए और पूर्णचंद्र के उजियारे में ही वे चले गए।

लिखित कार्य

(ख) 1. शरत्चंद्र बचपन में बहुत शौक रखते थे। मछलियाँ पकड़ते थे, तितलियाँ भी पकड़ते थे। इतनी दूर गुल्ली फेंकते कि बस पूछो मत। पतंग उड़ाते, माँझा इतना तेज़ बनाते कि पतंग कट जाती और लट्टू हाथ पर इस तरह घुमाते कि साथियों की आँखों के सामने धरती घूमने लगती।

2. बहुत दूर जाने पर जब सरदार को पता लगा कि उसके पीछे एक बालक है तो वह परेशान हो गया। लेकिन क्या करता! गाँव से इतनी दूर आ चुका था कि लौटना मुश्किल था।

3. शरत्चंद्र को पढ़ने-लिखने का बहुत शौक था। जब वे पढ़ने बैठते तो सारी दुनिया को भूल जाते। कॉलेज में पहुँचने पर वे खुद भी पढ़ते थे और बच्चों को भी पढ़ाते थे। जब परीक्षा आ पहुँची तो उन्होंने बच्चों को बुलाया और कहा कि मैं आज नहीं पढ़ाऊँगा। जो कुछ पूछना है कल आकर पूछना। दूसरे दिन सवेरे जब बच्चे आए तो उन्होंने देखा कि उनके गुरु लालटेन की रोशनी में पढ़ रहे थे। उन्हें यह भी पता न चला कि दूसरा दिन कब हो गया।

4. कॉलेज में विज्ञान की परीक्षा थी। बालक के उत्तरों को पढ़कर परीक्षक हैरान रह गए। सोचा, हो न हो, इसने नकल की है उन्होंने शरत्चंद्र को बुलाया और फिर से नए प्रश्न पूछे। शरत्चंद्र ने उनके जो उत्तर दिए, उन्हें सुनकर परीक्षक को बालक की स्मरण-शक्ति का लोहा मानना पड़ा।

5. शरत्चंद्र ने राजू से ही गाना-बजाना, नाव खेना, मछलियाँ पकड़ना और मुसीबत में हर किसी का साथ देना सीखा था। अत: लेखक ने राजू को शरत्चंद्र का गुरु बताया है।
6. शरत्चंद्र की कहानी छपने पर बंगाल में तहलका मच गया। लोगों ने समझा कि हो न हो, महाकवि रवींद्रनाथ टैगोर ने छद्म नाम से यह कहानी लिखी है। उसके बाद शरत् बाबू की झिझक खुल गई। इसके बाद लिखने का सिलसिला जीवनभर चलता रहा।
7. शरत्चंद्र की मृत्यु पर रवींद्रनाथ टैगोर ने कहा था, "वह प्रेम की प्रतिमा थे। मृत्यु उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। वह तो देश के हृदय में बसे हुए हैं और सदा बसे रहेंगे।"

(ग) 1. (ख) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क) 5. (ख)

(घ) 1. शरत् बाबू बचपन में बहुत शरारती थे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वे पढ़ने में रुचि न लेते थे। शिक्षक भी उनकी स्मरण-शक्ति का लोहा मानते थे। वे केवल स्वयं ही नहीं पढ़ते थे बल्कि बच्चों को पढ़ाते भी थे। उन्होंने अपने बाल्यकाल में अनेक इनाम भी जीते थे।

2. लिखना तो एक साधना है और शरत् बाबू ने तो अपनी छोटी-सी उम्र से ही लिखना शुरू कर दिया था। कितनी ही रचनाएँ उन्होंने लिखीं और फाड़ दीं। उनकी पहली कहानी 'बड़ी दीदी' छपी तब स्वयं शरत् बाबू यह बात नहीं जानते थे। उनकी इस कहानी ने बंगाल में तहलका मचा दिया था। उसके बाद वे लगातार लिखते ही चले गए। जीवनभर यह सिलसिला चलता रहा। अत: शरत्चंद्र को एक साधक कहना अतिशयोक्ति न होगी।

(ङ) 1. बच्चों ने शरत्चंद्र से कहा – परीक्षा के कारण शरतचंद्र ने बच्चों को पढ़ाने से इनकार करते हुए दूसरे दिन आने के लिए कहा। जब बच्चे दूसरी बार उनके पास आए तो उन्हें गुस्सा आ गया कि वे उन्हें परेशान क्यों कर रहे हैं। तब बच्चों ने उनसे यह वाक्य कहा।

2. रवींद्रनाथ टैगोर ने शरत्चंद्र की मृत्यु पर यह वाक्य कहा, क्योंकि शरत्चंद्र एक ऐसे व्यक्तित्व थे, जिन्हें कोई भुला नहीं सकता।

(च) 1. बड़े 2. इतना 3. पक्का 4. बेचारा 5. दूसरे

(छ) 1. चाँद पूरा कब निकलता है?
2. उन्हें क्या शौक था?
3. शरत् बचपन में कहाँ पढ़ते थे?
4. कहाँ हाहाकार मच गया?
5. मृत्यु उनका क्या बिगाड़ सकती है?

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

(झ) 1. बालिका 2. लेखिका 3. साधिका 4. माता
वाक्य बच्चे स्वयं बनाएँ।

(ञ) 1. रीतिवाचक 2. परिमाणवाचक 3. कालवाचक

4. स्थानवाचक 5. परिमाणवाचक 6. रीतिवाचक

(ट) 1. क्रियाविशेषण 2. विशेषण 3. क्रियाविशेषण 4. विशेषण

रचनात्मक कार्य

(ठ) बच्चे अपनी कल्पना से घटना का वर्णन करें।

- कक्षा में मौखिक चर्चा भी करें।
- अध्यापक/अध्यापिका आवश्यक बिंदु श्यामपट्ट पर लिखें।
- उन बिंदुओं का सहारा लेकर बच्चे अपने भावों को अभिव्यक्त करें।

पाठ 15. बिरसा मुंडा

रचनात्मक गतिविधि – 3

(क) मौखिक अभिव्यक्ति

1. बच्चे अपने विचार कक्षा में सुनाएँ।
   - इस विषय पर कक्षा में वाद-विवाद भी कराया जा सकता है।
   - बच्चों को प्रकृति व पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए।
2. इस विषय पर कक्षा में चर्चा करें।
   - बच्चों के उच्चारण पर विशेष ध्यान दें।
   - उनका आत्मविश्वास बढ़ाएँ।
3. इस पद को बच्चे समूहगान के रूप में गाएँ।
   - जो बच्चे वाद्य यंत्र बजाना जानते हैं, वे वाद्य यंत्र बजाएँ।
4. बच्चे अपने विचारों को कक्षा में सुनाएँ
   - सभी बच्चे एक-दूसरे के विचारों को सुनें।

(ख) लिखित अभिव्यक्ति

1. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - तुकबंदी वाले कुछ शब्द अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को श्यामपट्ट पर लिखकर दें। उड़ी/चढ़ी/पड़ी, गाया/खाया/पाया
   - बच्चे इस कविता को पूर्ण हाव-भाव सहित कक्षा में सुनाएँगे। इस प्रकार उनकी संगीत एवं लय संबंधी तथा शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
2. इसे कहानी के रूप में लिखा जा सकता है।
   - रचनात्मक लेखन के प्रति बच्चों की रुचि जगाएँ।
   - अच्छे शब्दों व वाक्यों के प्रयोग पर ध्यान दें।
   - बच्चे इस कहानी को कक्षा में पढ़कर सुनाएँ।
3. यह पुस्तकालय से संबंधित गतिविधि है।
   - बच्चों को श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध कराएँ।
   - बच्चों को पढ़ने के बाद अपनी इच्छा से अनुच्छेद लिखने को कहें।
   - कुछ अच्छे अनुच्छेद कक्षा में पढ़कर सुनाएँ।
4. बच्चे पाठ के आधार पर शरत् बाबू की चारित्रिक विशेषताएँ बताएँ।
   - उनके बचपन की अच्छी व बुरी आदतों का वर्णन करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका उन्हें श्यामपट्ट पर लिखें।

(ग) क्रियाकलाप

1. बच्चों को चिड़ियाघर की सैर के लिए ले जाया जाए।
   - वापस लौटकर बच्चे इसपर परियोजना कार्य तैयार करें।
   - वहाँ से लाए चित्र भी वे इसमें लगा सकते हैं।

- परियोजना को प्रस्तुत करना भी बच्चों को सिखाएँ।

2. यह क्रियाकलाप पुस्तकालय से संबंधित है।
   - इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।
   - इससे बच्चों की बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
3. शोध कार्य के लिए यह विषय दें।
   - इसपर परियोजना कार्य भी तैयार करवाया जा सकता है।
   - बच्चे आत्मविश्वास के साथ इसका प्रस्तुतिकरण भी करें।
4. यह क्रियाकलाप भी पुस्तकालय से संबंधित है।
   - इससे बच्चे पाठ्यक्रम से हटकर पुस्तकें पढ़ना सीखेंगे।
   - हिंदी साहित्य पढ़ने में उनकी रुचि बढ़ेगी।
5. बच्चे इंटरनेट से यह जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
   - इसके लिए बच्चे अन्य माध्यम भी चुन सकते हैं।
   - सभी बच्चे अपने द्वारा प्राप्त नाम को कक्षा में लगे एक चार्ट पर आकर लिख दें।
6. बच्चे इस जानकारी के लिए अपने माता-पिता से चर्चा करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका उन्हें बताएँ कि यह पुरस्कार साहित्यिक योगदान के लिए दिया जाता है।
   - इंटरनेट के माध्यम से बच्चे यह भी जान सकते हैं कि यह पुरस्कार पिछले सालों में किन-किन साहित्यकारों को मिल चुका है।

पाठ 16. बढ़ते चरण

मौखिक कार्य

(क) 1. युधिष्ठिर ने भीष्म से पूछा कि मनुष्य के अधीन समय है अथवा समय के अधीन मनुष्य।

2. मनुष्य द्वारा काम का चुनाव रुचि के अनुरूप किए जाने पर सफलता अवश्य मिलती है।

3. रसेल ने जीवन में सफलता प्राप्त करने के छह उपाय बताए हैं – पहला – काम करना, दूसरा – मुँह बंद करना, तीसरा – निरीक्षण, चौथा – विश्वासपात्रता, पाँचवा मालिक को यह साबित करना कि तुम्हारे बिना उसका काम नहीं चलेगा और छठा – विनीत होना।

4. उन्हें संस्कृत पढ़ने में रस नहीं आता था इसलिए उसे छोड़कर गुजराती पढ़ने लगे।

5. भारत की सारी रियासतों का संगठन अकेले पटेल जी ने किया। उनका यह कार्य सदैव याद किया जाएगा।

6. लेखक को पढ़ने-लिखने में रुचि थी। स्वेट मार्डेन, शिवानंद, नारायण स्वामी आदि विद्वानों द्वारा विद्यार्थी जीवन पर लिखी पुस्तकें वे पढ़ते रहते थे।

लिखित कार्य

(ख) 1. जोन एंजिलो ने कहा है कि मनुष्य को वही बनने का प्रयास करना चाहिए जो प्रकृति उसे बनाना चाहती है। यदि वह इसके विपरीत कुछ ओर बनना चाहेगा तो कुछ भी नहीं बन सकेगा।

2. भीष्म ने युधिष्ठिर के प्रश्न का उत्तर दिया कि मनुष्य समय के अधीन नहीं बल्कि वह समय का निर्माण करता है।

3. रसेल के अनुसार जीवन में सफलता पाने के लिए काम करना, मुँह बंद रखना, निरीक्षण करना, विश्वासपात्रता प्राप्त करना, अपने को काम के आधार पर आवश्यक साबित करना तथा विनीत होना आवश्यक है।

4. मास्टर साहब को उन छात्रों से चिढ़ रहती थी जो देवभाषा संस्कृत छोड़कर गुजराती सीखते थे। पटेल जी भी ऐसा ही कर रहे थे इसलिए मास्टर साहब उनसे चिढ़ गए।

5. फ्रांस के महान लेखक रूसो थे, उनका विचार था कि सामाजिक कार्य के पहले प्रकृति चाहती है कि हम मानवीय कार्यों में हाथ बटाएँ।

6. लेखक का सपना डॉक्टरेट करने, प्राध्यापक बनने तथा बड़े-बड़े ग्रंथ लिखने का था। अनेक संघर्षों और पड़ावों के बाद लेखक का सपना साकार हुआ।

7. इसे छात्र स्वयं करें।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (ख) 5. (क)

(घ) 1. लेखक का तात्पर्य है कि भाग्य के भरोसे बैठे रहकर बड़ी नौकरी की प्रतीक्षा नहीं करते रहना चाहिए अपितु जहाँ भी हम अभी हैं, उसी स्थान से अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन करते हुए बड़ी नौकरी तक रास्ता बनाना चाहिए।

2. इस पंक्ति का तात्पर्य है कि व्यक्ति केवल उसी कार्य में अपनी सारी मानवीय शक्ति लगा सकता है, जिसमें उसकी रुचि हो, इसलिए कार्य का चुनाव करते समय 'रुचि' का ध्यान अवश्य रखना चाहिए।
3. लेखक का तात्पर्य है कि हमें अपने लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पण का भाव रखना चाहिए। पूरी कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी, परिश्रम और साहस के साथ प्रयास करने पर मनुष्य को सफलता अवश्य मिलती है।

(ङ) 1. तो 2. भी 3. भी 4. भी 5. भर 6. तो/आखिर 7. तक

(च) 1. बाल-जीवन किशोरावस्था में बदल जाता है।
2. वे श्रम प्रायः सभी के लिए करते।
3. वल्लभ भाई पटेल कब चूकने वाले थे।
4. उनके मामा ने आश्चर्य से पूछा।
5. मैट्रिक तक यही हाल रहा।
6. न जाने क्या-क्या करना पड़ा।

(छ) 1. एक जैसा – कोई वस्तु 2. दिवस – गरीब
3. तरफ़/दिशा – अधिक/योजक शब्द 4. विनम्र – कर्ज़
5. लाख – उद्देश्य 6. हिस्सा – नियति

(ज) 1. उनका सपना था कि वे आई॰ए॰एस॰ अधिकारी बनें और कुछ नहीं।
2. वे श्रम प्रायः सभी के लिए करते पर एक के प्रति अधिक दिलचस्पी लेते।
3. कुछ लोग ऊँचे पद या बड़ी नौकरी की प्रतीक्षा में बैठे रहते हैं पर वे यह नहीं जानते कि व्यक्ति छोटी से छोटी जगह से भी आगे बढ़ सकता है।
4. इस पर मास्टर साहब बड़े चिढ़े और उन्होंने वल्लभ भाई को हेडमास्टर के पास भेजा।
5. वह उस चाल से संतुष्ट नहीं थे क्योंकि उन्हें तेज़ चलना पसंद था।
6. क्या करता, घोड़ी मुझे ज़मीन पर पटककर भाग गई इसलिए पैदल ही आना पड़ा।

(झ) 1. तैयार रहना 2. कुछ भी न करना 3. विजयी होना
4. सदा स्मरण रखना 5. आनंद न मिलना 6. निश्चय का पक्का
7. निडरता से लड़ना

रचनात्मक कार्य

(ञ) इससे बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ावा मिलेगा।
- बच्चों को अच्छे व सटीक शब्दों का प्रयोग करना सिखाएँ।
- कुछ बच्चों के उत्तर कक्षा में पढ़कर सुनाएँ।
- बच्चे अपनी कल्पना से यह उत्तर लिखें।
- बच्चों को चर्चा करके समझाएँ कि वे किस प्रकार का उत्तर लिख सकते हैं।
- बच्चों के विचारों को महत्व दें।

पाठ 17. जलियाँवाला बाग

मौखिक कार्य

(क) 1. इस कविता की रचना सुभद्राकुमारी चौहान ने की है।
2. खुशबू के बिना पराग दाग के समान प्रतीत हो रहा है।
3. इस कविता में कवयित्री ने जलियाँवाला बाग में अंग्रेज़ों के द्वारा की गई सामूहिक हत्या वाली घटना की ओर संकेत किया है।
4. कवयित्री ने वसंत से बाग में उन फूलों को लाने के लिए कहा है जो अधिक चटक रंग के या सजीले न हों। उनकी सुगंध भी कम हो और वे ओस से भीगे हुए हों।
5. कवयित्री कुछ अधखिली कलियाँ लाकर चढ़ाने के लिए कह रही हैं क्योंकि इस जगह पर आशाओं से भरे कई हृदय टूट गए थे। कितने ही लोग अपने परिवार से अलग हो गए थे। उन सभी की याद में कवयित्री अधखिली कलियाँ लाकर चढ़ाने की बात कर रही हैं।

लिखित कार्य

(ख) 1. शहीद बालकों की याद में कवयित्री ने बाग में कलियाँ लाकर बिखेरने का आग्रह किया है। बालक उन कोमल कलियों की तरह ही कोमल थे, अतः उन्हें कलियों का उपहार ही श्रद्धांजलिस्वरूप देना उचित होगा।
2. कोयल रोने का राग गा रही है और भँवरे कष्ट की कथा सुना रहे हैं जैसा कि कविता की निम्नलिखित पंक्तियों से स्पष्ट है – कोकिल गावे, किंतु राग रोने का गावे/भ्रमर करे गुँजार, कष्ट की कथा सुनावे।।
3. कवयित्री कह रही हैं कि यह शोक स्थल है इसलिए यहाँ शोर नहीं मचाना है क्योंकि शोर मचाने पर शहीदों की आत्माओं को कष्ट होगा।
4. वृद्ध शहीदों की स्मृति में कवयित्री ने सूखे हुए पुष्पों को लाने की बात कही है। कवयित्री कहती हैं कि ये वृद्ध गोली खाकर तड़प-तड़पकर मरे हैं, अतः इन्हें याद कर इन सूखे पुष्पों को बिखेरा जाए।
5. जलियाँवाला बाग एक शोक स्थान है। यहाँ कोयल की मधुर आवाज़ नहीं, बल्कि कौवों की कर्कश आवाज़ सुनाई देती है। काले-काले कीड़े भँवरे होने का भ्रम उत्पन्न करते हैं। कलियाँ अधखिली और काँटों में उलझी हुई प्रतीत होती हैं। बाग में लगे पौधे ऐसे लगते हैं मानो सूखे नहीं बल्कि झुलस गए हों। परिमल के बिना फूलों का पराग दाग के समान लग रहा है और सारा का सारा बाग खून से सना हुआ लग रहा है।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (ख) 5. (क)

(घ) इन पंक्तियों का भाव 'पाठ का परिचय' तथा 'प्रश्न-उत्तर' में दिया जा चुका है। अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को इन पंक्तियों के भाव समझाएँ तथा बच्चे अपने शब्दों में इन परिच्छेदों के भाव लिखें।

(ङ) 1. तितली 2. गुलाब 3. काक 4. समीप

(च) 1. ऋतु 2. काँटे 3. स्मृतियाँ 4. पौधा 5. कली 6. आशाएँ

(छ) 1. यदि अवसर मिलता, तो मैं जलियाँवाला बाग देखने जाता।
2. उसने स्मारक पर फूल चढ़ाए होंगे।
3. उसने एकटक से स्मारक को निहारा।
4. वह शहीदों को नमन कर रहा था।
5. क्या आपने राजघाट देखा था?
6. दीपिका समाधि देखने जा चुकी है।

(ज) वाक्य प्रयोग बच्चे स्वयं करें।
1. आकर 2. जाकर 3. खाकर 4. लाकर

रचनात्मक कार्य

(झ) बच्चों को अपने विचार व्यक्त करने को कहें।
- उस बाग के प्रति उनकी भावना को जानें।
- उनके भावों को जानकर अपने भाव भी व्यक्त करें।
- यदि बच्चे इस बाग के प्रति श्रद्धापूर्ण भाव नहीं रखते तो उन्हें इस बाग की महत्ता से अवगत कराएँ।

पाठ 18. साइकिल की सवारी

मौखिक कार्य

(क) 1. साइकिल की सवारी करना तथा हारमोनियम बजाना।

2. जब लेखक ने यह जाना कि उनका लड़का भी साइकिल चला लेता है और वे साइकिल चलाना आज तक नहीं सीख पाए तब उनके मन में लज्जा और शर्म के भाव जाग उठे।
3. लेखक ने मरहम के दो डिब्बे इसलिए खरीदे ताकि चोट लगने पर उसका इलाज किया जा सके।
4. उस्ताद ने लेखक से 20 रुपये फ़ीस ली।
5. पहले दिन सभी लोग लेखक को देखकर इसलिए मुसकरा रहे थे क्योंकि लेखक ने जल्दी और घबराहट में पाजामा और अचकन दोनों उलटे पहन लिए थे।
6. तिवारी जी के आवाज़ देने पर भी लेखक ने साइकिल इसलिए नहीं रोकी, क्योंकि लेखक को साइकिल चलाना तो आता था, लेकिन उसपर चढ़ना व उतरना नहीं आता था। वे सोच रहे थे कि यदि तिवारी जी से बात करने रुके तो उन्हें फिर चढ़ाएगा कौन।

लिखित कार्य

(ख) 1. लेखक के मन में यह धारणा बैठ गई थी कि न वे हारमोनियम ही बजा सकते हैं और न ही साइकिल चला सकते हैं।

2. लेखक ने साइकिल सीखते समय फटे-पुराने कपड़े का निश्चय इसलिए किया क्योंकि वे जानते थे कि वे एक-दो बार गिरेंगे ज़रूर और गिरने पर कपड़े फट जाएँगे। अत: बुद्धिमान बनकर वे अपने नए कपड़ों को बचाना चाहते थे।
3. लेखक ने अपनी पत्नी से पुराने कपड़ों की मरम्मत करवाई ताकि नए कपड़े साइकिल सीखते समय न फटें। दो मरहम के डिब्बे खरीदे ताकि गिरने पर चोट लगते ही उसका इलाज हो जाए। यही नहीं, उन्होंने अपने लिए एक उस्ताद का भी बंदोबस्त कर लिया और एक साइकिल किराए पर ले ली।
4. पहले दिन जब लेखक साइकिल सीखने के लिए निकले तो सभी उन्हें देखकर हँस रहे थे। लेखक हैरान थे कि ऐसा क्या हुआ? सहसा उनकी नज़र अपने कपड़ों पर गई तो पाया कि उन्होंने कपड़े उलटे पहन रखे हैं। वे उस्ताद जी से माफ़ी माँगकर घर वापस लौट आए।
5. लेखक ने शहर से दूर लॉरेंस बाग में साइकिल सीखने का निश्चय किया। इसके दो कारण थे – एक तो वहाँ की भूमि नरम थी, जिससे चोट कम लगती। दूसरे वहाँ उन्हें कोई देखता नहीं।
6. पहले दिन लेखक उलटे कपड़े पहनकर चले गए थे। अत: वापस लौट आए। दूसरे दिन उस्ताद ने उन्हें एक मिनट के लिए साइकिल सँभालने के लिए थमा दी और वे उसे सँभाल न पाए। वह साइकिल उनके पैरों पर गिर गई। इस प्रकार ज़ख्मी होकर

वे घर वापस लौट आए। लेखक आठ-नौ दिन में साइकिल चलाना सीख गए थे।

7. एक दिन उस्ताद ने लेखक को साइकिल पर चढ़ाकर छोड़ दिया। सहसा सामने तिवारी जी आते दिखाई दे गए। उन्होंने लेखक से रुककर बात करने का आग्रह किया। लेखक के लिए रुकना मुश्किल था। उनकी साइकिल लड़खड़ा गई। उसी समय सामने से एक ताँगा आता दिखाई दे गया। लेखक ने ताँगेवाले को बाईं तरफ़ होने का आदेश भी दे दिया, लेकिन तभी अचानक घोड़ा भड़क गया और लेखक के हाथ-पैर फूल गए। वे हैंडल घुमाना ही भूल गए। पलभर में ही वे ताँगे के नीचे आ गए और बेहोश हो गए। इसीलिए लेखक ने सोचा कि जब बुरा समय आता है तो बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है।
8. एक दिन लेखक साइकिल समेत ताँगे के नीचे आ गए और बेहोश हो गए। जब उन्हें होश आया तो वे अपने घर में थे। उन्होंने कहानी बनाकर अपनी पत्नी को सुनाना चाहा कि यह सारी गलती तिवारी जी की है। लेकिन वे उस समय निरुत्तर हो गए, जब उनकी पत्नी ने उनको बताया कि जिस ताँगे से वे टकराए थे, उस ताँगे पर वह स्वयं और बच्चे सवार थे। इस प्रकार लेखक के झूठ की पोल खुली।

(ग) 1. (ख) 2. (ख) 3. (क) 4. (क) 5. (क)

(घ) 1. लेखक की पत्नी ने लेखक से।
2. उस्ताद ने लेखक से।
3. तिवारी जी ने लेखक से।

(ङ) 1. साइकिल पर 2. ज़मीन पर 3. घर में
4. ज़ख्मों पर 5. घर पर 6. पड़ोस में

(च) 1. क्रियाविशेषण 2. विशेषण 3. क्रियाविशेषण
4. क्रियाविशेषण 5. विशेषण

(छ) 1. दिल पसीजना – दया आ जाना
2. जान में जान आना – राहत महसूस करना
3. सिर मुँड़ाते ही ओले पड़ना – काम की शुरुआत में ही बाधाएँ आना
4. दाँत पीसकर रह जाना – अंदर ही अंदर गुस्सा होना
वाक्य बच्चे स्वयं बनाएँ।

रचनात्मक कार्य

(ज) बच्चे अपनी कल्पना से प्रश्न निर्माण करें।
- प्रश्न करना भी एक कला है। इसे भी बच्चों के पाठ्यक्रम में शामिल करें।
- बच्चे आपस में एक-दूसरे से प्रश्न करें।

पाठ 20. सारे जहाँ से अच्छा

मौखिक कार्य

(क) 1. कवि ने हिंदुस्तान को सारे जहाँ से अच्छा बताया है।
2. चमन हमारे भारत देश को कहा गया है।
3. कवि ने गांधी जी को अमन का पुजारी कहा है।
4. कवि आगे आने वाली पीढ़ी पर रहम खाने की बात कर रहे हैं।

लिखित कार्य

(ख) 1. भारत में विदेशी लोगों के द्वारा किए गए हमलों को कवि ने आँधी कहा है। इन हमलों ने ही भारत को भीतर से खोखला कर दिया, वरना एक समय था जब भारत को 'सोने की चिड़िया' कहा जाता था।
2. भारत ने दुनिया को शांति का संदेश दिया है।
3. जंग करने वालों से कवि आग्रह करते हैं कि वे अपनी हरकतों से बाज़ आ जाएँ। यह दुनिया हम सभी की है, इसे मिटाना नहीं है। तुमने अपना जीवन तो अशांति और जंग के बीच गुज़ार दिया, अब आगे आने वाली पीढ़ी पर रहम खाओ।
4. कवि कह रहे हैं कि इसके पर्वत बहुत ऊँचे हैं और नदियाँ बहुत प्यारी हैं। हमारा यह देश एक सुंदर चमन के समान है।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (क)

(घ) कवि दुनिया में अशांति फैलाने वाले लोगों से विनती कर रहे हैं कि दुनिया में अशांति फैलाने से अब तुम बाज़ आ जाओ। यह दुनिया हम सभी की है, इसे तुम समाप्त मत करो। इसे मिटाने का प्रयत्न मत करो।

(ङ) 1. संसार 2. निशान 3. नवयुवक 4. आसमान

(च) 1. अच्छाई 2. ऊँचाई 3. लड़ाई 4. बचपन

(छ) 1. अच्छा 2. सारा 3. ऊँचे 4. प्यारी

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(झ) बच्चे अपने विचार कक्षा में सुनाएँ।
- सभी बच्चे देश के प्रति अपनी भावना को अभिव्यक्त करें।
- प्रश्न का उत्तर अनुमान के आधार पर दें।

रचनात्मक गतिविधि – 4

(क) मौखिक अभिव्यक्ति

1. बच्चे पाठ के आधार पर अपने विचार रखें।
- उनके उच्चारण पर विशेष ध्यान दें।
- प्रत्येक बच्चे को अवसर दिया जाए।

- इससे उनमें आत्मविश्वास जागेगा।

2. बच्चे जलियाँवाला बाग हत्याकांड के बारे में जानकारी एकत्र करें।
   - सभी अपने-अपने विचार व्यक्त करें।
3. बच्चे समूहगान के रूप में कविता सुना सकते हैं।
   - कविता को मौखिक परीक्षा के लिए भी रखा जा सकता है।
   - बच्चों के उच्चारण पर ध्यान दें।
   - अशुद्ध उच्चारण को शुद्ध करके बताएँ।
4. बच्चों को अच्छी हिंदी बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।
   - उनके उच्चारण पर ध्यान दें।
   - सब बच्चे अपने अनुभव सुनाएँ।
5. बच्चों की नज़रों में भारत क्यों महान है, यह बताएँ।
   - सभी बच्चे अपने-अपने विचार अभिव्यक्त करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका भी अपने विचारों से बच्चों को अवगत कराएँ।

(ख) लिखित अभिव्यक्ति

1. बच्चे इस विषय पर चर्चा करें।
   - पुस्तकालय की सहायता लें।
   - बच्चे अपने विचार कक्षा में बताएँ।
   - अध्यापक/अध्यापिका महत्वपूर्ण बिंदुओं को श्यामपट्ट पर लिखें।
   - वे बच्चों को प्रोत्साहित करें।
2. विषय पर कक्षा में चर्चा करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका अपने विचार अभिव्यक्त करें।
   - महत्वपूर्ण बिंदुओं को श्यामपट्ट पर लिखें।
   - बच्चों को अच्छे व सटीक शब्दों का प्रयोग करना सिखाएँ।
   - छोटे व अर्थपूर्ण वाक्यों का निर्माण करना सिखाएँ।
3. संवाद-लेखन भी एक कला है।
   - संवाद कैसे लिखे जाते हैं, बच्चों को यह बताएँ।
   - इन संवादों को कक्षा में अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत भी किया जा सकता है।
   - संवाद लिखने वाले बच्चे अलग हो सकते हैं और इनका अभिनय करने वाले अलग।
4. बच्चे अपनी भावनाओं को शब्द दें।
   - वे तुकबंदी करना सीखें।
   - तीन या चार बच्चे एक साथ मिलकर भी कविता रचना कर सकते हैं।
   - इस प्रकार बच्चों की संगीत एवं लय संबंधी व शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - कविता लिखने के बाद बच्चों से कक्षा में उसे सुनाने को कहें।

(ग) क्रियाकलाप

1. संवाद-लेखन भी एक कला है।

- बच्चों को संवाद लिखना सिखाएँ।
- संवाद के साथ दिए जाने वाले निर्देश भी लिखना सिखाएँ।
- संभव हो तो बच्चों को इन संवादों को अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत करने को कहें। इससे उनकी शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

2. बच्चे स्वयं पुस्तक पढ़कर भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
   - वे प्रश्नावली बनाकर अपने इतिहास के अध्यापक/अध्यापिका से भी अपनी जिज्ञासा शांत करवा सकते हैं।
   - चित्र बनाने से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
3. इंटरनेट से बच्चे जानकारी एकत्रित करें।
   - शोधकार्य करना बच्चों को आना चाहिए।
   - इसपर बच्चे परियोजना कार्य भी तैयार कर सकते हैं।
   - परियोजना कार्य तैयार कर उसकी प्रस्तुति करना भी बच्चों को बताएँ।
4. इसे बच्चे अपने मित्रों, परिवार के सदस्यों व परिचितों के साथ चर्चा कर स्वयं तैयार करें।
5. इस क्रियाकलाप को एक परीक्षा के रूप में आँका भी जा सकता है।
   - बच्चों को परियोजना कार्य को कक्षा में प्रस्तुत करना सिखाएँ।
   - इससे बच्चों में आत्मविश्वास जागेगा।